(e) The closure of branches will not results in termination of services of any employee. The employees rendered surplus on account of the closure will be gainfully deployed in bank,s other branches.

Assistance to SSIs for ebtaining ISO-9001 Certificates

3286. SHRI G. SWAMINATHAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether any assistance is provided by IDBI/World Bank to Small Scale Industries for obtaining ISO-9001 Series Certificates;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether any interest reduction on advances is allowed to SSI units which obtain ISO-9001 certificates?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (b) The Small Industries Development Bank of India (SIDBI) had introduced in September 1994 a scheme for dicert financial assistance to small scale industrial (SSI) units for acquisition of ISO-9000 series certificates in order to help SSI units *to* compete in the international market and increase their exports. SIDBI has sanctioned assistance aggregating Rs. 53.14 lakhs to 11 SSI units under the scheme.

(c) SIDBI has reported that assistance under the ISO scheme is provided at a rate of interest of 14.5% per annum.

Rate of interest on Saving Banks Accounts

3287. SHRI O. P. KOHLI: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the details of the rate of interest on the saving banks account and on the fixed deposits as on and how it compare) in the preceding three years on the same date;

(b) whether there is any proposal to raise the rate of interest on the savings bank account keeping the rate of inflation in view; and

(c) if not, the reasons therefore?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) The table below given the present interest rate for savings bank accounts and domestic term deposit accounts:

(Per Cent Per Annum)

Interest Rate Applicable	Savings Deposits	Terms Deposits of 46 days to 3 years and above
At present effective April 18, 1995	4.5	Not exceeding 12.0
March 1995	4.5	Not exceeding 11.0
March 1994	5.0	Not exceeding 10.0
March 1993	6.0	Not exceeding 11.0
March 1992	5.0	46 days to less than 1 year 11.0
		1 year to less than 3 years 12.0
		3 years and above 13.0

(b) aad (c) The currently prescribed interest rate on Savings Deposits is considered appropriate taking into account the presently prevailing conditions in the economy. Interest rates are, however, under continuing review and changes are made therein taking into account emerging developments in the economy.

राष्ट्रीयकृत बैंकों का कार्य-निष्पादन

3288 **श्री ईश दत्त यादव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीयकृत बैंकों के कार्य निष्पादन के परिणाम अच्छे नहीं रहे हैं ;

(ख) राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा उपलब्ध सेवाओं में मुख्य कमियां क्या हैं ;

(ग) क्या बैंक चैक बुक जारी करने के लिए सेवा प्रभार लगाने जा रहे हैं और यदि हां तो इसका सामान्य ग्राहकों पर क्या प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ;

(घ) क्या यह भी सच है कि बैंक अन्य स्थानों के चैकों की भांति चैकों के निपटान के लिए भी सेवा प्रभार लगाने जा रहे हैं ;

(ङ) यदि हां, तो क्या इसका आम आदमी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ;

(च) बैंकों को अपेक्षाकृत अधिक लाभप्रद संस्थायें बनाने के लिए उनकी कार्य-कुशलता में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ;

(छ) क्या सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की भांति राष्ट्रीयकृत बैंक भी स्वैच्छिक सेवा-निवृत्ति योजना आरम्भ करने जा रहे हैं; और

(ज) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० वी० चन्द्रशेखर मूर्ति) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक (आर०बी०आई०) ने सूचित किया है कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों के कार्यकारी परिणामों में वित्तीय वर्ष 1992-93 की तुलना में वर्ष 1993-94 के दौरान सुधार हुआ है। वर्ष 1994-95 के लिए बैंकों के वार्षिक लेखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना है ।

(ख) बैंकिंग प्रणाली के प्रति ग्राहकों की जागरूकता और उससे उनकी अपेक्षायें काफी बढ़ गई हैं। जब कभी सेवाओं में कमियां, यदि कोई हों, पाई जाती है तो सम्बद्ध बैंकों को गुणवत्ता और कार्यक्षमता में सुधार के लिये कहा जाता है ।

(ग) भारतीय बैंक संघ (आई०बी०ए०) ने सूचित किया है कि बैंक, जुलाई, 1990 से ही मैग्नेटिक इंक करेक्टर रिकागनिशन (एम आई०सी०आर०) निकासी परिचालन वाले केन्द्रों पर एम.आई.सी.आर. चैक बुक जारी करते समय चालू खातों और गैर-व्यक्तिगत बचत खातों के लिये प्रति चैक पर्ची 1 रुपए प्रभार ले रहा है । तथापि अक्तूबर, नवम्बर, 1994 से आगे बैंकों ने उन व्यक्तिगत बचत बैंक खातों के लिये भी यह प्रभार निर्धारित किया है जिनमें एक वर्ष में 20 चैक पर्ची वाली तीन चैक बैंकों से अधिक का उपयोग होता है । एक वर्ष में बीस मुफ्त चैक बुक से यह सुनिश्चित होगा कि उन व्यक्तियों/आम ग्राहकों पर कोई प्रभार नहीं लगा है जो सही बचत उद्देश्यों के लिए खाता परिचालित करते हैं, वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए नहीं ।

(घ) भारतीय बैंक संघ के अनुसार स्थानीय चैकों के समाशोधन के लिये बैंकों ने कोई सेवा प्रभार लागू नहीं किया है ।

(ङ) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(च) बैंक अपनी आस्तियों की गुणवत्ता सुधारने और अनुपयोज्य आस्तियों में कमी करने के लिए कदम उठा रहे हैं । बैंकों द्वारा अपने व्यय को नियंत्रित करने के लिए भी कदम उठाये जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त, चरणबद्ध ढंग से कुल शाखाओं का स्वचलीकरण, लघु उद्योग, निर्यात, अनिवासी भारतीयों जैसे बैंक